University in News on 06 November 2023

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू के दीक्षांत को 17 समितियां बनीं

तैयारी

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के 66 वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। दीक्षांत समारोह छह दिसम्बर को प्रस्तावित है। समारोह की तैयारियों के लिए आयोजन समिति समेत 17 समितियां बना दी गई हैं।

आयोजन समिति में कला संकायाध्यक्ष को अध्यक्ष बनाया गया है। आयोजन समिति में अधिष्ठाता छात्र कल्याण, अधिष्ठाता अकादमिक, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक अधीक्षक भूमि एवं उद्यान, विभागध्यक्ष अर्थशास्त्र, निदेशक द्वितीय परिसर, निदेशक सांस्कृतिकी, विभागाध्यक्ष समाज कार्य विभाग, कुलानुशासक, विशेष कार्यधिकारी प्रबंध विज्ञान संस्थान एवं कार्य अधीक्षक निर्माण विभाग को शामिल किया गया। पंडाल समिति का संयोजक भूगर्भ विज्ञान संकाय के प्रो. विभूति राय, मंच सज्जा समिति में व्यापार प्रशासन विभाग की प्रो. संगीता साहू, पदक पुरस्कार एवं उपाधि समिति के लिए कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, वस्त्र एवं परिधान समिति का अधिष्ठाता महाविद्यालय विकास परिषद प्रो. अवधेश कुमार त्रिपाठी, मुद्रण समिति के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रो. मुकुल श्रीवास्तव को संयोजक बनाया गया है।

विधिक सहायता के लिए गांव गोद लिया

एलयू की संस्था प्रो. बोनो क्लब ने बीकेटी के गांव गोहना कला को न्याय बंधु स्कीम के तहत गोद लिया। प्रो. बोनो क्लब के संकाय प्रभारी डॉ. अलोक कुमार यादव ने बताया कि क्लब के प्रो. बोनो एसोसिएट शैक्षिक सत्र (2023-24) में प्रत्येक महीने गांव जायेंगे और ग्रामवासियों को नि:शुल्क विधिक सहायता देंगे। इसी क्रम में बीते शनिवार को क्लब के प्रो. बोनो एसोसिएट ने ग्रामवासियों के नि:शुल्क विधिक सहायता, विधिक जानकारी और सरकरी कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए डोर टू डोर अभियान चलाया।

JAGRAN CITY PAGE III

स्मार्टफोन का वितरण आज से

जागरण संवाददाता, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक के छात्र-छात्राओं को स्मार्ट फोन का वितरण कार्यक्रम सोमवार से शुरू होगा। शाम चार बजे से मालवीय सभागार में होने वाले इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक डा.नीरज बोरा उपस्थित रहेंगे। चयनित विद्यार्थियों को तीन बजे तक अनिवार्य रूप से सभागार में पहुंचने के लिए कहा गया है।

डिजीशक्ति योजना के नोडल समन्वयक डा. आरबी सिंह ने बताया कि छह, सात व आठ नवंबर तक कुल 2663 विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन दिए जाएंगे। सोमवार को बी.एस.सी तथा बी.सीए में 658 विद्यार्थियों को फोन वितरित होंगे। विद्यार्थियों को एमएसएस एवं ई-मेल के माध्यम से भी सूचना भेजी जा चुकी है।

परीक्षाएं आज से, शेड्यूल बदला: डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में सोमवार से होने वाली बैक पेपर परीक्षाओं की शुरुआत होगी। इसकी कुछ तिथियों में बदलाव किया गया है। परीक्षा नियंत्रक डा.अमित कुमार राय ने बताया कि यह परीक्षाएं छह व सात नवंबर को होंगी। विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर अपलोड की गई है। अन्य पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं दो घंटे और बी.टेक की परीक्षाएं तीन घंटे की होंगी।

कला संकाय की नई शोध समिति गठित: डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में कला संकाय की नई शोध समिति का गठन कर दिया गया है। इसमें इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. आलोक कुमार पांडेय विभागाध्यक्ष-संयोजक के साथ सदस्य, वाह्य विषय विशेषज्ञ आदि भी नामित किए गए हैं। कुलसचिव रोहित सिंह ने इसका आदेश जारी किया है।

लवि : प्रो बोनो क्लब ने गोहना कला गांव गोद लिया

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की संस्था प्रो बोनो क्लब ने बख्शी का तालाब स्थित गोहना कला को विधि एवं न्याय मंत्रालय की न्याय बंधु योजना के तहत शैक्षिक सत्र 2023-24 के लिए गोद लिया है। क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट इस शैक्षिक सत्र में प्रत्येक महीने गांव जाएंगे। वहां ग्रामवासियों को निशुल्क विधिक सहायता और जानकरी उपलब्ध कराएंगे। प्रो बोनो क्लब के संकाय प्रभारी डा. अलोक कुमार यादव ने बताया कि ग्रामवासियों को सरकरी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया जाएगा। शनिवार को प्रो बोनो एसोसिएट ने ग्रामवासियों के निशुल्क विधिक सहायता, विधिक जानकारी और सरकरी कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए डोर टू डोर अभियान चलाया। छात्र संयोजक मनीष तिवारी ने बताया कि अभियान मे लगभग 150 घर जा कर लोगों से बात की। उनकी जो भी समस्या विधि से संबंधित थीं, उनको नोट किया गया। जल्द ही गांव में कैंप लगाकर उनकी समस्यों का निवारण किया जाएगा।

लवि : को-करिकुलर कोर्सों की सूची जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक पहले व तीसरे सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले को-करिकुलर कोर्सों की सूची वेबसाइट पर जारी कर दी है। पहले सिर्फ विज्ञान संकाय के कोर्स की सूचना जारी की गई थी। अब कला, वाणिज्य, शिक्षा, योग संकाय के साथ इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) में पढ़ाए जाने वाले को-करिकुलर की भी विषयवार जानकारी दी गई है। (जासं)

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के प्रो. बोनो क्लब ने ग्राम गोहना कला को लिया गोद

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की संस्था प्रो बोनो क्लब ने ग्राम गोहना कला, तहसील बीकेटी में न्याय विभाग, विधि और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार की न्याय बन्धु स्कीम के तहत शैक्षिक सत्र 2023-24 के लिए गोद लिया है। प्रो बोनो क्लब के संकाय प्रभारी डॉ. अलोक कुमार यादव ने बताया कि प्रो क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट शैक्षिक सत्र (2023-24) में प्रत्येक महीने गांव जायेंगे और ग्रामवासियों को निःशुल्क विधिक सहायता और जानकरी उपलब्ध करायेंगे। साथ ही ग्रामवासियों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी लोगों को अवगत कराया जायेगा।

इसी क्रम में क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट ने ग्रामवासियों के निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक जानकारी और सरकरी कल्याणकारी योजनाओ के प्रचार प्रसार के लिए डोर टू डोर अभियान चलाया। प्रो बोनो क्लब के छात्र संयोजक मनीष तिवारी ने बताया कि अभियान में लगभग 150 घर जाकर लोगों से बात की और उनकी जो भी समस्याविधि से सम्बंधित थी उनको नोट करके लाया गया है। जल्द ही गावं में कैंप लगाकर उनकी समस्यों का निवारण किया जायेगा। छात्र संयोजक ने बताया कि ग्रामवासियों को लोक अदालत के माध्यम से मुकदमों कि मध्यस्थता के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में संकाय प्रमुख प्रो. बीडी सिंह, प्रो. हरीश चन्द्र, डॉ राधेश्याम प्रसाद, डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी और क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट यशवर्धन, सुमित, वैष्णव, ध्रुव, सुशांत आदित्य, सुहानी, श्रृष्टि, मिमंषा आदि मौजूद रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

प्रचार-प्रसार के दौरान मौजूद बोनो क्लब इकाई के सदस्य। अमृत विचार

लखनऊ विवि टीम ने ग्रामीणों को किया जागरूक

अमृत विचार : लखनऊ विवि अब गांव - गांव में कानूनी बयार चलाएगा। ऐसा इसलिए ताकि ग्रामीण खुद से मुकदमों आदि की पैरवी कर सकें। नियमों की जानकारी लेकर विवि की प्रो बोनो क्लब इकाई लखनऊ के गोहना कला गांव पहुंची और लोगों को जागरूक किया। बोनो क्लब इकाई ने बीकेटी तहसील के गोहना कला गांव को चिन्हित किया और रविवार दोपहर गांव पहुंच गई। जानकारी की तो पता चला कि गांव के कई लोगों के वाद लोक अदालत में चल रहे हैं। ऐसे में उन्हें बिन्दुवार जानकारी देते हुए लाभकारी नियमों का ज्ञान भी साझा कराया। डॉ. आलोक कुमार यादव ने ग्रामवासियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराया। एक - एक कर 150 घरों में कानून की बयार चलाई गई। छात्र संयोजक मनीष तिवारी ने कुछ समस्याओं को चिन्हित करते हुए एक शिविर लगाए जाने के लिए भी कहा। इस अवसर पर संकाय प्रमुख डॉ. बीडी सिंह, प्रोफेसर हरीश चन्द्र, डॉ. राधेश्याम प्रसाद, डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी, यशवर्धन, सुमित, वैष्णव, ध्रुव, सुशांत, आदित्य, सुहानी आदि मौजूद रहे।

लखनऊ विवि के 66वें दीक्षांत समारोह को लेकर तैयारियां शुरू

अमृत विचार : 6 दिसंबर को लखनऊ विवि में दीक्षांत समारोह का आयोजन होगा। कार्यक्रम को लेकर कुल सचिव की ओर से विशेष दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं। मंच सज्जा के साथ - साथ पण्डाल को सजाने का कार्य पूरा करने के लिए आदेश भी जारी हुए हैं।

6 दिसंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह को लेकर कुल सचिव विनोद कुमार सिंह और परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने रविवार शाम व्यवस्थाओं का आंकलन किया। प्रशासनिक सूचनाओं को साझा भी किया गया। बता दें कि विवि के 66वें दीक्षांत समारोह को लेकर पदक पुरस्कार और उपाधियां भी प्रदान किया जाना कार्यक्रम में शामिल किया गया है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू के प्रो बोनो क्लब ने गोहना कला को गोद लिया

विधिक सहायता के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाया

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित संस्था प्रो बोनो क्लब ने ग्राम गोहना कला,बीकेटी तहसील में न्याय विभाग ,विधि और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार की न्याय बन्धु स्कीम के तहत 2 नवम्बर को शैक्षिक सत्र 2023-24 के लिए गोद लिया है। प्रो बोनो क्लब के संकाय प्रभारी डॉ.अलोक कुमार यादव ने बताया कि प्रो क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट शैक्षिक सत्र (2023-24)में प्रत्येक महीने गांव जायेंगे और ग्रामवासियों को निःशुल्क विधिक सहायता और जानकरी उपलब्ध करायेंगे। साथ ही ग्रामवासियों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराया जायेगा। इसी क्रम में शनिवार को क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट ने ग्रामवासियों के निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक जानकारी और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाया। प्रो बोनो क्लब के छात्र संयोजक मनीष तिवारी ने बताया कि अभियान में लगभग 150 घर जाकर लोगों से बात की और उनकी जो भी समस्या विधि से सम्बंधित थी उनको लिखकर लाया गया है जल्द ही गावं में कैंप लगाकर उनकी समस्याओं का निवारण किया जायेगा। छात्र संयोजक ने ये भी बताया कि ग्राम वासियों को लोक अदालत के माध्यम से मुकदमों की मध्यस्थता के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समय संकाय प्रमुख प्रोफेसर डॉ.बीडी सिंह, प्रो.हरीश चन्द्र, डॉ.राधेश्याम प्रसाद, डॉ.अभिषेक कुमार तिवारी और क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट यशवर्धन, सुमित, वैष्णव, ध्रुव, शुशांत आदित्य, सुहानी, श्रृष्टि, मिमंषा आदि मौजूद रहे।

लविवि परिसर में बढ़ी चहल-पहल

६६वें दीक्षांत समारोह के लिए आयोजन समिति गठित

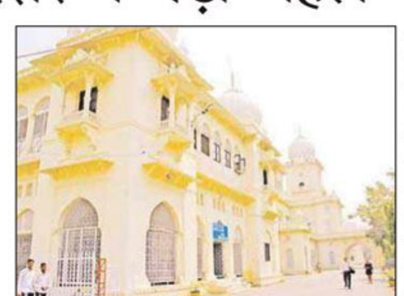

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। 6 दिसम्बर 2023 से शुरू होने वाले 66वें दीक्षांत समारोह के सुरक्षित और भव्य कार्यक्रम के लिए आयोजन समिति की घोषणा कर दी गयी। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने दीक्षांत समारोह आयोजन को भव्यता पूर्ण और सफल बनाने के उद्देश्य से गठित इस समिति को अनेक उप समितियों में विभाजित करते हुए आयोजन से जुड़े विभागों का वितरण कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस बार के दीक्षांत कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री, सासंद राजनाथ सिंह आदि अनेक गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। लविवि द्वारा दीक्षांत समारोह के लिए आयोजन, पंडाल, मंच सज्जा, पदक पुरस्कार एवं उपाधि, वस्त्र एवं परिधान, मुद्रण, सांस्कृतिकी, स्वागत, छात्र आमंत्रण, वालेन्टियर, अनुशासनात्मक, परिसर साज-सज्जा, कार्यक्रम संचालन, शोभा यात्रा, महाविद्यालय समन्वय, स्वल्पाहार और तकनीकी समिति का गठन किया गया है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

दीक्षांत समारोह के लिए बनीं 17 समितियां

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। इसके लिए विवि प्रशासन ने 17 समितियों का गठन किया है। विवि का दीक्षांत समारोह छह दिसंबर को होना है। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में इसरो के निदेशक को आमंत्रित किया गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

PIONEER PAGE 3

लविवि के प्रो बोनो क्लब ने लिया ग्राम गोहना कला को गोद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित संस्था प्रो बोनो क्लब ने न्याय विभाग, विधि और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार की न्याय बन्धु स्कीम के तहत बीकेटी तहसील अंतर्गत ग्राम गोहना कला को शैक्षिक सत्र 2023-24 के लिए गोद लिया है। प्रो बोनो क्लब के संकाय प्रभारी डॉ. आलोक कुमार यादव ने बताया कि प्रो क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट शैक्षिक सत्र 2023-24 में प्रत्येक महीने गांव जायेंगे और ग्रामवासियों को नि: शुल्क विधिक सहायता और जानकरी उपलब्ध करायेंगे। साथ ही साथ ग्रामवासियों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी लोगों को अवगत कराया जायेगा। इसी क्रम में क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट ने ग्रामवासियों के नि:शुल्क विधिक सहायता, विधिक जानकारी और सरकरी कल्याणकारी योजनाओ के प्रचार प्रसार हेतु डोर टू डोर अभियान चलाया। प्रो बोनो क्लब के छात्र संयोजक मनीष तिवारी ने बताया कि अभियान में लगभग 150 घर जा कर लोगों से बात की और उनकी जो भी समस्या विधि से संबंधित थी उनको नोट करके लाया गया है। जल्द ही गावं में कैंप लगा कर उनकी समस्याओं का निवारण किया जायेगा।

LOKSATYA PAGE 2

प्रो बोनो क्लब ने गोहना कला को लिया गोद

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित संस्था प्रो बोनो क्लब ने ग्राम- गोहना कला, तहसील-बीकेटी, लखनऊ में न्याय विभाग , विधि और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार की न्याय बन्धु स्कीम के तहत को 02.11.2023 को शैक्षिक सत्र 2023-24 के लिए गोद लिया है। प्रो बोनो क्लब के संकाय प्रभारी डॉ. अलोक कुमार यादव ने बताया कि प्रो क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट शैक्षिक सत्र (2023-24) में प्रत्येक महीने गांव जायेंगे और ग्रामवासियों को निःशुल्क विधिक सहायता और जानकरी उपलब्ध करायेंगे। क्लब के प्रो बोनो एसोसिएट ने ग्रामवासियों के निःशुल्क विधिक सहायता , विधिक जानकारी और सरकरी कल्याणकारी योजनाओ के प्रचार प्रसार हेतु डोर टू ड्रोर अभियान चलाया। प्रो बोनो क्लब के छात्र संयोजक मनीष तिवारी ने बताया कि अभियान में लगभग 150 घर जा कर लोगों से बात की और उनकी जो भी समस्याविधि से सम्बंधित थी उनको नोट करके लाया गया है जल्द ही गावं में कैंप लगा के उनकी समस्यों का निवारण किया जायेगा। छात्र संयोजक ने ये भी बताया कि ग्रामवासियों को लोक अदालत के माध्यम से मुकदमों कि मध्यस्थता के लिए भी प्रेरित किया गया।

अच्छी खबर भारत लैब और लखनऊ विवि ने किया सर्वे, लखनऊ, बरेली, बहराइच, हरदोई समेत कई जिले रहे शामिल

यूपी में बढ़ रहा घरेलू साज-सज्जा और फैशन का ग्राफ

जीशान कदीर, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में लोगों ने इस बार घरेलू साज-सज्जा का सामान खरीदने का मन बना लिया है। त्योहारी सीजन में फैशन भी किसी से कमजोर नहीं है। कई जनपदों में एक माह के भीतर किए गए सर्वे का व्यापक आंकड़ा भारत लैब और लखनऊ विवि के शोधकर्ताओं ने तैयार किया है।

यूपी में किए गए सर्वे की शुरुआत सितंबर माह से हुई थी। लखनऊ विवि की प्रोफेसर डॉ. संगीता साहू का कहना है कि त्योहारी सीजन शुरू हो चुका है। ऐसे में बाजार का हाल जानने के लिए भारत लैब ने लखनऊ विवि के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर एक सर्वे किया है। इसमें लखनऊ, बरेली, बहराइच, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर सहित अन्य जनपदों में जाकर लखनऊ विवि के शोधकर्ताओं ने लोगों से सवाल किये। कुल 1027 उपभोक्ता शामिल हुए। 52 प्रतिशत पुरुष और 48 फीसद महिलाओं से बातचीत की गई। घरेलू साज सज्जा करने का मन 87.4 प्रतिशत लोगों का है। वहीं, कपड़ों की खरीदारी की बात 83.5 प्रतिशत लोगों ने बताई है। विदेशी आभूषणों की तुलना में घरेलू आभूषण 91.1 फीसद लोगों द्वारा खरीदे जाने हैं।

उपहारों की खरीद बना बड़ी पसंद

पारंपरिक स्टोर की खरीदारी मे पसंदीदा उपहार खरीदने वालों का आंकड़ा 56.5 फीसद निकलकर सामने आया है। मोबाइल फोन भी तेजी से बढ़ते ग्राफ में शामिल है। खरीदने की मंशा जताने वाले लोगों में इसकी लोकप्रियता 53 प्रतिशत के करीब बढ़ी है, जो पिछले वर्ष की तुलना में नौ फीसद अधिक है।

स्थानीय बाजारों में खरीदारों की ज्यादा दिलचस्पी

सर्वे में साधारण परिवार और नौकरी पेशा वाले मध्यम स्तर के लोगों को शामिल किया गया है। इन लोगों का अधिक रुझान साधारण बाजार की ओर है। अधिकतर लोग साधारण बाजारों से जाकर खरीदारी की बात कह रहे हैं।

सर्वे में इन बिंदुओं को किया गया शामिल

लखनऊ विवि की प्रोफेसर डॉ. संगीता साहू का कहना है कि पिछले वर्षों की सर्वे रिपोर्ट के कई अंशों को इकट्ठा कर तुलना की गई। इसमें उपहार देना, फैशन, आभूषण, ऑटोमोबाइल, गृह सजावट, यात्रा और मनोरंजन भी विश्लेषण अंग बने हैं।

देश में होगा 3.5 लाख करोड़ का कारोबार

कंफेडरेशन आफ ऑल इण्डिया ट्रेडर्स (कैट) का मानना है कि नवरात्रि से फेस्टिवल की शुरुआत अच्छी रही है। इस बार देश भर मे 3.5 लाख करोड़ का कारोबार होगा। अच्छी खरीदारी का प्रमुख कारण केंद्र सरकार द्वारा इस बार दी गई बोनस व्यवस्था है। धनतेरस व दिवाली पर लोगों ने अभी से खरीददारी का मन बना लिया है। इससे कारोबार बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है।

HINDUSTAN PAGE 6

विदेशी ब्रांडों के बजाय घरेलू गहने परिवारों की पहली पसंद बने

सर्वे

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय और रेडिफ्यूजन की सहयोगी पहल के रूप में भारत लैब की ओर से 'इस उत्सव के मौसम में भारत का मूड' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट देश के टियर-2 और 3 बाजारों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों से उभरने वाले विशिष्ट उपभोक्ता व्यवहार को दर्शाती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्रों ने 1,027 उपभोक्ताओं को शामिल करते हुए एक सर्वेक्षण किया। जिसमें 52 प्रतिशत पुरुष और 48 प्रतिशत महिलाएं शामिल हुईं। सर्वे में पता चला कि 94.1 फीसदी उपभोक्ता विदेशी के बजाय घरेलू गहनों को प्राथमिकता देते हैं। पीएचडी शोधार्थियों का यह सर्वे उत्तर प्रदेश पर केन्द्रित था। त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं की खरीदारी में क्या प्राथमिकता रहती हैं। इसे सर्वे के माध्यम से सामने लाने की कोशिश की गई। इस शोध का उद्देश्य वर्तमान सीजन के लिए इन उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं और खरीदारी प्राथमिकताओं को समझा गया।

01 हजार 27 उपभोक्ताओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया था

52 प्रतिशत पुरुष और 48 फीसदी महिलाएं सर्वेक्षण में शामिल थीं

- एलयू ने इस उत्सव के मौसम में भारत का मूड शीर्षक से सर्वे रिपोर्ट जारी की

त्योहारों पर उपहार में फोन देना सबसे आगे

त्योहार के वक्त एक दूसरे का उपहार देने में सबसे ज्यादा पसंद मोबाइल को उपहार में देना है। सर्वे में पारंपरिक इन-स्टोर खरीदारी पसंदीदा (56.5%), विशेष रूप से उपहार देने के लिए मोबाइल फोन (53%) लोकप्रिय उपहार हैं। उपहार पर खर्च बढ़ाने और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों में खास रुचि है। मोबाइल फोन शीर्ष पसंद के रूप में उभरे हैं और 53% उत्तरदाताओं ने उन्हें खरीदने में विशेष रुचि व्यक्त की है। दूसरी ओर, आय अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, उच्च पारिवारिक आय वाले लोगों में इलेक्ट्रॉनिक्स खरीदने की अधिक इच्छा देखी गई है। वहीं नए वाहनों में सीमित रुचि (कम) के साथ, होम डेकोर (87.4%) और फैशन (83.5%) त्योहारी खरीदारी में अग्रणी हैं। रिपोर्ट में भारतीय ब्रांडों के आभूषणों के प्रति मजबूत प्राथमिकता पर प्रकाश डाला गया है।

सर्वे में 94.1% लोगों ने घरेलू ब्रांडों को प्राथमिकता दी

94.1% उत्तरदाताओं ने विदेशी आभूषणों की तुलना में घरेलू आभूषण ब्रांडों को प्राथमिकता दी है। रिपोर्ट से यह भी पता चला कि छूट (43.3%) और सांस्कृतिक महत्व (35.5%) खरीदारी के निर्णय को आकार देते हैं। वायु प्रदूषण की चिंता पटाखों की खरीदारी (72.3%) को प्रभावित करती है।

खास बातें

- 87.4% लोग होम डेकोरेशन का सामान खरीदना पसंद करते हैं
- 83.5% फैशन से जुड़ी सामग्री की खरीदारी की इच्छा रखते हैं
- 43.3% फीसदी लोग छूट और 35.5% सांस्कृतिक महत्व के मौके पर खरीदारी करते हैं
- 53 % लोग उपहार के रूप में देना पसंद करते हैं

"ऐसे अध्ययन लोगों की अपेक्षाओं को सामने रखते हैं और बाजार की रणनीतियों को विकसित करने में योगदान देते हैं। **प्रो. आलोक कुमार राय**, कुलपति एलयू